प्रमुख सचिव, जल संसाधन विभाग द्वारा संजय सागर (बाह) परियोजना विदिशा के कार्यों का निरीक्षण प्रतिवेदन दिनाँक 30.11.16

संजय सागर (बाह) परियाजना विदिशा के कार्यों का दिनाँक 30.11.2016 को निरीक्षण किया गया, जिसके दौरान निम्न अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे :–

1. श्री राजीव कुमार सुकलीकर, अपर सचिव एवं आयुक्त, कमाण्ड क्षेत्र विकास, जल संसाधन विभाग।
2. श्री एन.एन. गॉधी, अधीक्षण यंत्री जल संसाधन मण्डल भोपाल।
3. श्री ई. नन्दकुमारम परियोजना संचालक, विश्व बैंक परियोजना भोपाल।
4. श्री वाई.आर. पाटील, परियोजना प्रशासक, केडवम भोपाल।
5. श्री आर.ए.एस. कौशिक, सहायक यंत्री, कार्यालय आयुक्त कमाण्ड क्षेत्र विकास, भोपाल।
6. प्रियंका भण्डारी, अनुविभागीय अधिकारी एवं संबंधित उपयंत्री तथा जल उपभोक्ता संथा अध्यक्ष।

सर्वप्रथम संजय सागर (बाह) परियेाजना की मुख्य नहर के आर.डी. 15240 मी. का निरीक्षण किया गया। मुख्य नहर की लंबाई 27.43 कि.मी. बताई गई। परियोजना का C.C.A. 9893 हेक्टेयर है। इस स्थल पर मुख्य नहर की लम्बाई 6 Cumecs का जल प्रवाहित हो रहा था, जबकि इस स्थल पर इसकी रूपांकित क्षमता 8.96 Cumec की है। मुख्य नहर से 2 वितरिका नहरें एवं 15 लघु नहरें निकलती हैं। मुख्य नहर की आर.डी. 15900 मी. पर आर.एम. 12 का निरीक्षण किया गया। यहाँ पर हेड रेग्युलेटर में गेट नहीं लगे हैं जिसकी वजह से किसानों द्वारा मुख्य नहर में बोरियों आदि से अवरोध उत्पन्न कर पानी लिया जा रहा है। तत्पश्चात् निर्माणाधीन वितरिका क्रं. 1 के, जो मुख्य नहर की आर.डी.16470 मी. पर स्थित है। हेड के निरीक्षण में पाया गया कि हेड कम क्रास रेग्युलेटर का अधूरा निर्माण किया गया है, गेट नहीं लगाए गए हैं। इस निर्माण में कॉक्रीटिंग व्यवस्थित शटरिंग लगाकर नहीं की गई। इसमें काटे गए ग्रूव्स, कॉनर्स एवं फेस भी अनियमित थे। बताया गया कि यह निर्माण मेसर्स पब्लिक रिलेशन कार्पोरेशन द्वारा किया जा रहा है, जिसमें इनकी प्रगति काफी धीमी है। निर्देश दिए गए कि मुख्य अभियतां, विद्युत याँत्रिकी से गेट लगाए जाने बाबत् जानकारी प्राप्त की जाये। डीप कटिंग में निकली हुई वितरिका नहर का भी सेक्शन रुपांकन अनुसार नहीं था। इनमें Berm नहीं पाये गये। वितरिका कं.–1 की कुल लम्बाई 15.12 किलोमीटर है एवंक इसका रुपांकित जल प्रवाह 2.84 Cumecs है। वितरिका कमांक 1 से कुल 11 लघु नहर निकलती है।

श्री चन्द्र मोहन यादव अध्यक्ष, पीपलधार जल उपभोक्ता संथा द्वारा बताया गया कि रबी सिंचाई के उपरान्त मार्च 2017 के पश्चात् तीव्र गति से कमाण्ड क्षेत्र विकास कार्यों का संपादन किया जायेगा।

इसके पश्चात् आर.एम. 11 नहर जो मुख्य नहर की आर.डी. 15000 मीटर पर स्थित है, एवं इसकी लंबाई 1.58 कि.मी. है, का निरीक्षण किया गया। पाया गया कि काफी दूर तक यह नहर कटिंग में है। इस नहर में लगभग 0.40 मी. गहराई में पानी बह रहा था। इसमें मात्र एक पक्का आउटलेट पाया गया जिसका बेड लेवल प्रत्यक्षतः नहर के एफ.एस.एल. से ऊपर था। निर्देशित किया गया कि इस नहर से अधिकतम सिंचाई हेतु योजनाबद्ध तरीके से आउटलेट्स का निर्धारण एवं तदानुसार निर्माण सुनिश्चित किया जाये। इसी प्रकार पक्के फील्ड चैनल के एलाइनमेंट तकनीकी दृष्टि से निर्धारित करते हुए गुणवत्ता पूर्वक निर्माण किया जावे। अधीक्षण यंत्री, द्वारा जानकारी दी गई

कि माइनरों के अपूर्ण कार्यो हेतु वर्तमान में यह कार्य टर्न की आधार पर ठेकेदार के.ई.सी. इन्टरनेशनल लिमिटेड को आवंटित है।

इसके पश्चात् मुख्य नहर की आर.डी. 9500 मी. से निकली हुई आर.एम. 6 के आर.डी. 420 मी. से निकले निर्मित कांक्रीट फील्ड चैनल का निरीक्षण किया गया। निर्देश दिए गए कि इस फील्ड चैनल से किसानों को पानी की उपलब्धता आसानी से सुनिश्चित करने एवं बरसात का पानी सुरक्षित तरीके से निकालने बाबत् निर्माण के समय ही यथा आवश्यक स्ट्रक्चर्स एवं आउटलेट का प्रावधान किया जावे। यह निर्माण जल उपभोक्ता संथा खजूरी शमशाबाद के कार्य क्षेत्र में है। इसके अध्यक्ष श्री अरविंद यादव भी मौके पर उपस्थित रहे।

इसके पश्चात् संजय सागर (बाह) परियोजना के बाँध स्थल का निरीक्षण किया गया। बाँध स्थल पर Gantry crane लगाई गई है, परन्तु अभी इसका परीक्षण आदि मेसर्स अनिल स्टील वर्क्स, इन्दौर ठेकेदार द्वारा नहीं करवाया गया है। इसी प्रकार Stop log Gates के पार्टस बाँध स्थल पर रखे हुए हैं, परन्तु इन्हें बाँध के अपस्ट्रीम स्थित ग्रूव्स में नहीं लगाया गया है। इस हेतु निर्देश दिए गए कि ठेकेदार द्वारा इन कार्यों के समय सीमा में नहीं किए जाने की दशा में इनके विरूद्ध कार्यवाही करते हुए मुख्य अभियंता, विद्युत याँत्रिकी के माध्यम से समय सीमा तय करते हुए लगवाया जाना सुनिश्चित किया जावे। बाँध के स्पिल–वे पर भी लाईटिंग लगाया जाना सुनिश्चित करें। बाँध स्थल पर स्थित निरीक्षण गृह की साफ–सफाई एवं उचित रखरखाव किया जाना सुनिश्चित किया जाने हेतु निर्देशित किया गया।

श्री यू.सी. जैन, मुख्य अभियंता, चंबल बेतवा कछार, उनके राजगढ़ दौरे के पश्चात् सांयकाल उपस्थित हुए। निर्देशित किया गया कि वे संजय सागर (बाह) परियोजना के अन्तर्गत उनके अधीनस्थ अधिकारियों से शेष कार्यो की पूर्णता हेतु गहन समीक्षा करते हुए परियोजना के समस्त कार्य गुणवत्ता पूर्वक समय सीमा निर्धारित करते हुए पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें।

(हस्ताक्षर) 2/12/2016
(राजीव कुमार सुकलीकर)
अपर सचिव
मध्यप्रदेश शासन, जल संसाधन विभाग
भोपाल, दिनांक 02.12.2016

पृष्ठां.क्रं. 32 /अपर सचिव/पीए/2016

प्रतिलिपिः–

1. प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल
2. कमिश्नर, कमाण्ड क्षेत्र विकास प्राधिकरण, जल संसाधन विभाग, भोपाल
3. मुख्य अभियंता, चंबल बेतवा कछार, भोपाल
4. मुख्य अभियंता, वि/यां, जल संसाधन विभाग, भोपाल
5. अधीक्षण यंत्री, जल संसाधन मंडल, भोपाल
6. कार्यपालन यंत्री, संजय सागर बाह परियोजना, गंजबासौदा जिला विदिशा

की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(हस्ताक्षर) 2/12/2016
(राजीव कुमार सुकलीकर)
अपर सचिव
मध्यप्रदेश शासन, जल संसाधन विभाग